SEM-3, Sc-302, BY-Dr. Shyam Bihari Choudhary

CLASSMATE
Date 29.10.2020
Page (1)

TOPIC- WATER POLLUTION

जल - प्रदूषण

जल समस्त जीवधारियों की एक आधारभूत आवश्यकता है। यह पर्यावरण का जीवनदायी तत्व है। वनस्पति एवं प्राणियों की समस्त जैविक क्रियाओं मे जल की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। जैव-भू-रासायनिक चक्र की विभिन्न कड़ियों के मध्य जल एक माध्यम का कार्य करता है। अतः यह पारिस्थितिकी का आधारभूत कारक है।

बाह्य तत्वों के मिश्रण से जल के प्राकृतिक स्वरुप में होनेवाला ऐसा परिवर्तन जिससे वह जीव जगत (वनस्पति, मानव, जन्तु) के लिए हानिकारक हो जाता है, जल प्रदूषण कहलाता है।

जल प्रदूषण के स्रोत :-

जल प्रदूषण के स्रोत निम्न हैं:

(1) प्राकृतिक स्रोत (Natural Source)

कुछ प्राकृतिक पदार्थ भी जल को प्रदूषित करते हैं। इनमे विभिन्न गैसें, मृदा, खनिज, वनस्पति, मल-मूत्र, मृत (dead body), जीव-जन्तु, उल्का धूल आदि सम्मिलित है। अनेक प्राकृतिक क्रियाओं के परिणामस्वरुप जल मे विभिन्न पदार्थों का समावेश निलम्बित रुप मे, अति सूक्ष्म कणों मे (कोलॉइडी) या घुलित अवस्था मे होता है।